

पा० 22  
पाठ

**बाहाघर योगाढ़  
बाहाघर जोगाड़**

**शादी की तैयारी**

दास : नमस्कार महान्ति बाबू। आपशक्कर गोटिए बोलि छैआ! ढाँर बाहाघर योगाढ़ केतेदूर होइछु?

महान्ति : ओहो ! आपशक्कु एवे युविधा मिलिला ना? मूँ एकुठिआ मणिष। केतेहुं दृश्यराश हुइछु। क'ण आपश मते याहायप करिबेनि?

दास : मूँ त आपशक्कु अछियोग करिबि बोलि भाग्यिलि। बाहाघर त केबल गोटिए माए रहिला आउ मोते किट्रु काम देले नाहिँ। एहाद्यारा मोते बहुत खराप लागिला। आपश क'ण भाबि रणिहुन्ति? आपश क'ण एकुठिआ यस्तु करि पकाइबे आउ आम परि बछूर क'ण याहायप नेबेनि?

दास : नमस्कार महान्ति बाबू। आप की इकलौती बेटी! उसकी शादी की तैयारियाँ कहाँ तक (आई) हैं?

महान्ति : ओहो ! आप को अभी फुर्सत मिली? मैं अकेला आदमी हूँ। कितना परेशान हो रहा हूँ। क्या आप मेरी मदद नहीं करेंगे?

दास : मैं तो आप से शिकायत करने को सोच रहा था। शादी के तो केवल एक ही महीना रह गया है और मुझे कुछ काम नहीं दिया है। इस से मुझे बहुत बुरा लगा है। आप ने क्या सोच रखा है? क्या आप अकेले ही सब काम कर डालेंगे और हम जैसे मित्रों की मदद नहीं लेंगे?

**महान्ति :** आरे भाइ, राग नाहि किम्बा  
जराप भाव नाहि। मूँ एकुठिआ  
घरुकाम केमिति करिबि? मूँ किउ  
करिपारिल नाहि। एशु बर्त्तमान  
आपशंक घाहायप मूँ पठारिल।  
बाहाघरर घरु काम आमे घरु  
मिशिकि करिबा। भाऊज्जुँ मध्य  
एहि जथा कहिदेबे। मङ्गलपाक  
दिन घरुकाम ताङ्गु हि करिबाकु  
पढ़िब। मूँ जाणिट्रि कि ये निजे  
हि घरुकाम उठाइनेबे। ये  
आउ मो याँ दूहे मिशि आम  
घाहिरे निमन्त्रण पठु  
बाण्डिदेबे।

**दास :** हि, ये काम ये करिदेबे।  
आपश चिन्हा करन्तु नाहि। आउ  
बाहाघरर दिन जन्याकु घर  
करिबा दायित्रि मध्य ठांकर।  
एछ घरु काम करिबाकु ताङ्गु  
बहुत उल लागिब।

**महान्ति :** शुशन्तु दासबाबू, आपश देदा  
यज जरिबा दायित्रि बि नेबे।  
फूल, तमू, बिद्धुलि आलूथ घरु  
आपशंकु बुद्धिबाकु हेब।

**दास :** शङ्खाआ महूरिआकु बि बराद  
देबाकु हेब। आळा, बरयाञ्ज  
केतेजण आसुछन्ति?

**महान्ति :** मो यमुदि भारि उल लेक।  
नठेत्र आमकु बहुत असुविधा

**महान्ति :** अरे भाई, गुस्सा मत करो और  
बुरा मत समझो। मैं अकेले सब  
काम कैसे करूँगा? मैं कुछ नहीं  
कर पाया। इसलिए अभी तुम्हारी  
मदद मैं ने माँगी। शादी के सब  
काम हम सब मिलकर ही करेंगे।  
भाभी से भी यही बात कह देना।  
मंगलपाक के दिन के सब काम  
उन को ही करना पड़ेगा। मुझे  
मालुम है कि अपने आप वे सब  
काम उठा लेंगी। वे और मेरी  
पत्नि दोनों मिलकर ही गली में  
निमत्रण पत्र बाँटेंगी।

**दास :** हाँ, यह काम वह कर लेगी। आप  
चिंता मत कीजिए। शादी के दिन  
कन्या के शृंगार करने का दायित्व  
भी उनका। ये सब काम करना  
उनको बहुत अच्छा ही लगेगा।

**महान्ति :** सुनिए दास बाबू! मंडप सजाने  
का दायित्व भी आप लेंगे। फूल,  
तंबू, बिजली, चिराग सब की  
देखरेख आप करेंगे।

**दास :** शंखवादक और शहनाईवादक को  
भी आईर देना होगा। अच्छा।  
कितने बाराती आ रहे हैं?

**महान्ति :** मेरे संबंधी बहुत अच्छे आदमी हैं।  
नहीं तो हम को अब तक बहुत  
तकलीफ उठाना पड़ता। अपव्यय

उठोइबाकु पढिथाआनु। अयथा  
झर्क करिबाकु यपा यपा मना  
करिदेले। अल्ल लेक आयिबे।  
पूथ रूपककु जहिबे ये  
बरयात्रा मानझंर देखाशुशा  
करिबा दायित्र नेइ।

दास : हँ, हँ, ये त गोडि टेकि  
बषित्रि। बर बरणाऽ आरम् करि  
कन्या बिदा पर्यन्त्र बरयात्रा  
बरयात्रा दायित्र यवु रूपक  
नेब। ताकुत बहुत खुयि  
लागिब।

महान्ति : यवु काम योगाडि करिबा पाइँ  
आगरु मूँ ता हातरे कित्रि टङ्का  
देइदेबि।

दास : नाइँ आज्ञा, येमिति करिबेनि।  
पिलालोक, केतेबेले ये,  
क'ण करिबयिब, किए छाणे?  
आमे वि कित्रि करिपारिबा नाहिँ।

महान्ति : आळा, आपशंक कथा हिँ रहू।

दास : 'नबकिरण टेष्ट-हाउस' कु आदि  
अग्रिम देइदेबा। भोजि कथा  
क'ण श्रीर कले? कुकुडा बराद  
करिबा ना मात्ररे काम  
चियिब?

महान्ति : क'ण पिलामाने केबल मात्ररे  
राजि हेबे किमा कुकुडा  
किनिबापाइँ कहिबे? हेले

करने से साफ-साफ मना कर  
दिया है। बहुत कम लोग आएँगे।  
(अपने) बेटे रूपक से कहना कि  
बारातियों की देखभाल (करने) का  
दायित्व ले।

दास : हाँ, हाँ वह तो कमर कस के बैठा  
है। पाणिग्रहण के आरंभ से  
कन्या-विदा (विदाई) तक  
बारातियों का सब दायित्व रूपक  
लेगा। उसको बहुत खुशी लगेगी।

महान्ति : सब काम का इंतज़ाम करने  
केलिए मैं पहले ही उसके हाथ  
कुछ रुपए दे दूँगा।

दास : नहीं जी, वैसा मत कीजिएगा।  
(करना)। बच्चा है, कब क्या कर  
बैठेगा, कौन जानता है? हम कुछ  
भी बोल नहीं सकते।

महान्ति : अच्छा, आपकी ही बात रहे।

दास : 'नवकिरण टेन्ट-हाउस' को आज  
अग्रिम (पेशागी) दे देंगे। भोजन के  
बारे में क्या तय किया है? मुर्गि  
का आर्डर देंगे या मछली से काम  
चल जाएगा?

महान्ति : क्या बच्चे केवल मछलि से ही  
राजि होंगे या मुर्गि खरीदने केलिए  
बोलेंगे? लेकिन शादी के दिन  
भोजन का काम भी आपको ही

बाहाघर दिन भेदिर काम  
मध्ये आपशकु तुलाइबाकु  
पढ़िव। एमण्ये येमिति उलरे  
जाइवे आपश देखिवे।

दास : आपश ये बिष्टयूरे निश्चन्तु  
रुहन्तु। द्विथर गद्धाणा, शाळा किंचि  
पारिलेणि ?

महान्ति : केउर्ठि आउ किंचिलि ? अपिसर  
उविष्पनिधि पाण्यूर ठङ्कात  
एयाएँ मिलिलानि।

दास : आपश क'ण उपर अपिसरकु  
दरखास्तु करिछुन्ति ना एवे  
देवे ?

महान्ति : हूँ, बहुत दिन होइगलाणि  
दरखास्तु करिथिलि।

दास : तेवे बर्तमान गालन्तु  
उविष्पनिधि अपिस् यिबा।  
येकोश्यिमाते मंदूरा करिबाकु  
पढ़िव।

महान्ति : आज्ञा, बहुत धन्यवाद। अल्ल  
यमाय अपेक्षा करन्तु। आमे  
बाहारकु यिबा पूर्वरु दयाकरि  
आपश बाहाघर निमन्त्रण पठाणा  
देखि दिअन्तु। पढ़न्तु एवं कुहन्तु  
टिक अट्टि कि ?

दास : दिअन्तु, दिअन्तु, म्हूँ पढ़िवि।

महान्ति : टिक अट्टि।

निपटाना पड़ेगा। सब अच्छी तरह  
खाएँगे, उसका आप निरीक्षण  
करेंगे।

दास : आप इस संबंध में निश्चिंत रहिए।  
अच्छा, क्या बेटी के गहने, साड़ी  
आदि खरीद चुके?

महान्ति : अरे, कहाँ खरीदे? भविष्यनिधि  
का पैसा तो अब तक नहीं मिला।

दास : क्या अपने बड़े अफसर को  
दरखास्त दिया है या अभी देना  
है?

महान्ति : हाँ, बहुत दिन हो गये दरखास्त  
दिए।

दास : तो, अब चलिए, भविष्यनिधि  
ऑफिस जाएँगे। जैसे भी हो,  
मंजूरी करानी पड़ेगी।

महान्ति : बहुत धन्यवाद जी। थोड़ी देर  
इंतजार कीजिए। हम लोग बाहर  
जानेसे पहले कृपया आप शादि  
के निमंत्रण पत्र देख लीजिए।  
पढ़िए और कहिए ठीक है कि  
नहीं।

दास : दीजिए दीजिए, मैं पढँगा।

महान्ति : ठीक है।

## शब्दार्थ

ओड़िଆ शब्द	हिंदी अर्थ
ଗୋଟିଏ ବୋଲି	एक मात्र
ଗୋଟିଏ ମାଘ	एक महिना
ରାଗନାହିଁ	गୁରସା ମତ କରେ
କେମିତି	କୈସେ
ନଚେଉ	ନହିଁ ତୋ
ଆମକୁ ବହୁତ	ହମକୋ ଜ୍ୟାଦା
ଅସୁବିଧା ଉଠାଇବାକୁ	ତକଳିଫ ଉଠାନେ କୋ
ପଢ଼ିଥାଆନ୍ତୁ	ପଡ଼ତା ଥା
କିଏଜାଣି	କୌନ ଜାନତା ହୈ
କହି ପାରିବାନାହିଁ	ବୋଲ ନହିଁ ସକତେ
ଯୋଗାଡ଼	ଇଂତଜାମ
କେତେଦୂର	କିତନୀ ଦୂର (କହାଁତକ)
ସୁବିଧା	ସୁଵିଧା, ଆସାନ
ଏକୁଟିଆ	ଅକେଲେ
ଦ୍ଵିରାଣି	ହୈରାନ, ପରେଶାନ
ସାହାଯ୍ୟ କରିବି	ମଦଦ କରନା
ଅଭିଯୋଗ କରିବି	ଶିକାଯତ କରୁଣା
ବାହାଘର	ଶାଦୀ
କାମ ଦେଲେନି	କାମ ନହିଁ ଦିଯା
କରି ପକେଇବେ	କର ଡାଲେଗେ
ସମ୍ବେଦିତ	ସଂଭଵ
କହିଦିବ	କହ ଦେନା
ମଙ୍ଗଳପାକ	'ମଂଗଲ ପାକ' ଶାଦୀ କା
ମିଳିକରି	ପହଲା ଦିନ
ଚିନ୍ତା	ମିଲକର
	ସୋଚନା

ସଜ କରିବା	ଶୁଂଗାର କରନା
ଦାୟିତ୍ବ	ଦାୟିତ୍ବ
ଡମ୍ବୁ	ତମ୍ବୁ
ବିଦ୍ରୁଳି ଆଲୁଆ	ବିଜଲୀ କା ଆଲୋକ
ଶଙ୍ଖାଆ	ଶଂଖ ବଜାନେଵାଲା
ମହୁରିଆ	ଶହନାଈ ବଜାନେଵାଲା
ବରଯାଉଁ	ବାରାତୀ
ବନ୍ଧୁର	ମିତ୍ର କା
ସାହାଯ୍ୟ	ସହାୟତା
ଅଣ୍ଟେ	ଆୱଫିସ
ଉଦ୍‌ବିଷ୍ଣୁମନିଧି ପାଣ୍ଠି	ଭବିଷ୍ୟନିଧି ପାଣ୍ଠି
ଟିକିଏ ମୁହୂର୍ତ୍ତ	ଥୋଡ଼ି ଦେର
ଅପେକ୍ଷା କରନ୍ତୁ	ଇଂତଜାର କୀଜୀଏ
ବାହାରକୁ ଯିବାପୂର୍ବରୁ	ବାହର ଜାନେକେ ପହଲେ
ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ର	ନିମଂତ୍ରଣ ପତ୍ର
ଠିକ୍ ଅଛି	ଠିକ ହୈ

### ଅଭ୍ୟାସ

- I. (1) ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ବାକ୍ୟ ଶୁଣିକୁ ଅଭ୍ୟାସ କରନ୍ତୁ ।  
(ନୀଚେ ଦିଏ ଗଏ ବାକ୍ୟ ଦୋହରାଇଏ ।)
1. ଆପଣ ମତେ ସାହାଯ୍ୟ କରିବେଟି ?
  2. ମୁଁ ଅଭିଯୋଗ କରିବି ବୋଲି ଭାବୁଥିଲି ।
  3. ଆମକୁ କିନ୍ତୁ ହେଲେ କାମ ଦେଲେନି ।
  4. ଆପଣ କ'ଣ ଏକା ଏକା ସବୁ କାମ କରି ପକେଇବେ ?
  5. ଆପଣ ଭାଉଜଙ୍କୁ କହିଦେବେ ।

6. हृँ, ये काम ये करिनेबे ।  
 7. बाह्राघर दिन कन्याकु यज करिबा दायितु मध्य ताङ्गर ।  
 8. ये कोशसि मते मंदुरा करिबाकु पढिर ।  
 9. आरे भाइ, राग कर नाहिं किमा खराप बुझ नाहिं ।  
 10. मङ्गलपाल दिन यसु काम ताङ्कु हिं करिबाकु पढिर ।
- II.** रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर नये वाक्य बनाइए ।

1) आपश मते साहस्र करिबेटि ?      2) आमकु कित्ति हेले काम देलेनि ।

दया	ताकु
क्रमा	येमानङ्ग
यम्भान	पिलामानङ्ग
आदर	हिअमानङ्ग
ग्लै	तुममानङ्ग

3) आपश क'श एका एका यसुकाम करि पकेइबे ?

तुमे	पकेइब
तु	पकेइबू
ये	पकेइबे
येमाने	पकेइबे
आपशमाने	पकेइबे

4) ये काम ये करि नेबे ।

मूँ	नेबि
तु	नेबू
तुमे	नेब

5) कोशसि मते मंदुरा करिबाकु पढिर ।

पाठ	पढिबाकु
काम	देखिबाकु
दरेखास्तु	देबाकु

येमाने नेबे	ଖୁସି	କରିବାକୁ
बୋଇ ନେବ	ପ୍ରଶଂସା	କରିବାକୁ

**III.** ଉଦାହରଣ ଅନୁୟାୟୀ ନିମ୍ନ ବାକ୍ୟ ଗୁଡ଼ିକୁ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରନ୍ତୁ ।  
(ଉଦାହରଣ କେ ଅନୁସାର ନିଚେ ଦିଏ ଗାଁ ଵାକ୍ୟାଙ୍କ କା ପରିଵର୍ତ୍ତନ କରିବାକୁ)

ଉଦାହରଣ :- ତୁମେ ଭାଇଙ୍କୁ କହିବ ।  
ତୁମେ ଭାଇଙ୍କୁ କହିଦେବ ।

- |                                |                      |
|--------------------------------|----------------------|
| 1. ତୁମେ କାମଟା ଜଳଦି କରିବ ।      | 2. ଆପଣ ସ୍ଵୀକୁ ଦେବେ । |
| 3. ସେମାନେ ସବୁକାମ କରିବେ ।       | 4. ସେ ପାଠ ପଡ଼ିବ ।    |
| 5. ତୁମେ କଟକରୁ ଗୋଟିଏ ବହି ଆଣିବ । |                      |

**IV.** ଉଦାହରଣ ଅନୁସାରେ ବନ୍ଧନୀ ମଧ୍ୟରେ ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ସର୍ବନାମର ଉପ୍ୟୁକ୍ତ ରୂପ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରି ବାକ୍ୟ ବିସ୍ତାର କରନ୍ତୁ ।

(ଉଦାହରଣ କେ ଅନୁସାର କୋଷ୍ଟକ ମେଂ ଦିଏ ଗାଁ ସର୍ବନାମାଙ୍କ କେ ଉପ୍ୟୁକ୍ତ ରୂପରେ ଉପ୍ରସାରିବାକୁ)

ଉଦାହରଣ :- ଖୁସି ଲାଗିବ ।  
ତାକୁ ଖୁସି ଲାଗିବ । (ତାକୁ)

- |                       |                      |
|-----------------------|----------------------|
| 1. ଦୁଃଖ ଲାଗିବ (ତୁଁ)   | 2. ଆନନ୍ଦ ଲାଗିବ (ତୁ)  |
| 3. ରାଗ ଲାଗିବ (ସେମାନେ) | 4. ଭୟ ଲାଗିବ (ତାଙ୍କୁ) |
| 5. ଅଣ୍ଟା ଲାଗିବ (ଆପଣ)  |                      |

**V.** ବନ୍ଧନୀରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ଶବ୍ଦ ମଧ୍ୟରୁ ଉପ୍ୟୁକ୍ତ ଶବ୍ଦ ବାବୁ ବାକ୍ୟ ପୂରଣ କରନ୍ତୁ ।

(କୋଷ୍ଟକ ମେଂ ଦିଏ ଗାଁ ଶବ୍ଦରେ ମେଂ ସେ ଉପ୍ୟୁକ୍ତ ଶବ୍ଦ ଚୁନ କର ବାକ୍ୟ ପୂରେ କରିବାକୁ)

(କରିଦେବୁ, ବରାପ, ଖାଇଦେବ, ନେଇନେବେ, ଅପେକ୍ଷା, ବାଣ୍ଶିନେବେ, ପ୍ରଶଂସା, ଦାଖିତ୍ତ, ପାହାୟ୍ୟ, କରିପକାଇବେ)

1. ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଵୀକୁ \_\_\_\_\_ ।
2. ପିଲାମାନେ ଭୋଗ \_\_\_\_\_ ।
3. ତୁ ନିଜ କାମ ନିଜ ହାତରେ \_\_\_\_\_ ।
4. ତୁମେମାନେ ପିଠା \_\_\_\_\_ ।

5. ये उल नाच करि अनेक \_\_\_\_\_ पाइला ।
6. मूँ कालि संध्यावेळे तुमकु \_\_\_\_\_ करिथिबि ।
7. बाहाघर दिन \_\_\_\_\_ करिब ।
8. रिअकु सज करिबा \_\_\_\_\_ नेब ।
9. डोडि पाइँ माटु \_\_\_\_\_ करिब ।
10. आपण क'ण एकुटिआ सबु \_\_\_\_\_ ।

**VI.** बन्धनी मध्यरे दिआयाइथिबा उपयुक्त क्रिया रूप चुन कर वाक्य पूरे किजिए ।

(कोष्ठक में से उपयुक्त क्रीया रूप चुन कर वाक्य पूरे किजिए ।)

(शृणि नेइथिलि, देइ देइथिले, लेणि देइथिले, आणि देइथिले, पिइ नेइथिला, पठारि नेइथिले, आसि बसिथिले, पिन्धि नेइथिले, करिपारिथिल, पकाइदेइथिल)

1. मूँ एहि काहाणी बिषयूरे बहुत आगरु \_\_\_\_\_ ।
2. मूण्यमन्त्री क'ण भाषण \_\_\_\_\_ ।
3. बिमल बिषयूरे ये क'ण \_\_\_\_\_ ।
4. तुमे निनकु क'ण क्षमा \_\_\_\_\_ ।
5. मो रिअ दूध केतेबेलु \_\_\_\_\_ ।
6. शर्मिला दिल्लारु एहि बहिटि \_\_\_\_\_ ।
7. येमाने मो घरे \_\_\_\_\_ ।
8. मो मा' नूआ शाढी \_\_\_\_\_ ।
9. ये मोते एहि बहिटि \_\_\_\_\_ ।
10. तुमे एउ चिठ्ठि ढाकघरे \_\_\_\_\_ ।

**VII.** बन्धनीरे दिआयाइथिबा उपयुक्त संयुक्त क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए ।

उदाहरण :- मो ह्रोष भाई मध्ये एक शीठ गाइदेइथिला ।

(बुझिनेबा, आनन्द नेबा, करि देखाइबा, देइदेबा, शोछयिबा, खाइनेबा, गाइदेबा, आसियिबा, हुढिदेबा, लेणि पकाइबा)

1. मूँ केतेबेलु \_\_\_\_\_ पाइँ चेष्ठा करूहि ।

2. ए गोठे \_\_\_\_\_ परे ताङ्गुं प्रशंसा मिलिला ।
3. आपशमाने \_\_\_\_\_ परे घर, घर उल्ल लागिला ।
4. ताङ्गुं \_\_\_\_\_ पाइं मोते बेणा समयू लाशिब नाहिँ ।
5. आमेमाने गोठ गोठ \_\_\_\_\_ ।
6. ए क'ण \_\_\_\_\_ मूँ ठिक् जाणिछि ।
7. मूँ ताङ्गुं एहि बहिटि \_\_\_\_\_ ।
8. मा' घरकु आसिबा पूर्वरु पिलाटि \_\_\_\_\_ ।
9. बाहाघर परे हिअनु बर घट्टित \_\_\_\_\_ ।
10. मूँ आजि ढाकघरे चिठि \_\_\_\_\_ ।
- VII.** बन्धना मध्यमू द्विदा क्रियागृहपर यमानार्थक ओଡिआ रूप प्रदेश करि बाक्य पूरण करन्तु ।  
(कोष्ठक में दिए गए हिंदी क्रियारूपों के समानार्थक ओडिशा रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए)
- |                                     |             |
|-------------------------------------|-------------|
| 1. बाहाघर दिन मूँ घरु काम _____ ।   | (कर दूँगी)  |
| 2. ए घरु काम _____ ।                | (कर लेगा)   |
| 3. ए घरु काम अल्ल यमयू उठरे _____ । | (कर डालेगी) |
| 4. ए ये क'ण _____ मूँ जाणेना ।      | (कर बैठेगा) |
| 5. मूँ क'ण _____ ?                  | (कर पाना)   |
- IX.** उदाहरण अनुसारे निम्नरे द्विआपाइथिबा क्रियागृहिकर दश दश प्रकार रूप प्रदेश करि बाक्य गठन करन्तु । प्रत्येक बाक्यरे अठि कमरे चारेटि शब्द देबा घरकार ।  
(उदाहरण के अनुसार दिए गए प्रत्येक क्रिया के दस दस प्रकार के रूपों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए । प्रत्येक वाक्य में कम से कम चार शब्द होना जरुरी है ।)
- उदाहरण :- पढ़िबा
- 1) मूँ रमादेबी कलेजरे पछुछि ।
  - 2) मूँ रमादेबी कलेजरे बि.ए. पढ़िलि ।
  - 3) मूँ रमादेबी कलेजरे पढ़िबि ।
  - 4) बर्जमान बि मूँ रमादेबी कलेजरे पछुअछि ।
  - 5) एहियमयूरे मूँ रमादेबी कलेजरे पछुथिलि ।

- 6) ପାଞ୍ଚବର୍ଷପରେ ସେତେବେଳେ ତୁମେ ଆସିବ ସେତେବେଳେ ମୁଁ ରମାଦେବୀ କଲେଜରେ  
ପଢ଼ୁଥିବି ।
- 7) ମୁଁ କେବଳ ଗୋଟିଏ ବର୍ଷ ରମାଦେବୀ କଲେଜରେ ପଡ଼ିଥିବୁ ।
- 8) ମୁଁ ମଧ୍ୟ ବହୁତ ଆଶରୁ ରମାଦେବୀ କଲେଜରେ ବି.ଏ. ପଡ଼ିଥିଲି ।
- 9) ମୁଁ ମଧ୍ୟ ବହୁତ ଆଶରୁ ରମାଦେବୀ କଲେଜରେ ବି.ଏ. ପଡ଼ିଥିବି ।
- 10) ମୁଁ ରମାଦେବୀ କଲେଜରେ ପଢ଼ୁଥିବା ସମୟରେ ତୁମେ ମଧ୍ୟ ସେଠାରେ  
ପଢ଼ୁଥିଲି ।
- (ଯିବା, ଦେଖିବା, ଲେଖିବା, ଖେଳିବା)

## ପଢ଼ନ୍ତୁ ଓ ବୁଝନ୍ତୁ

ବିବାହ ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ର  
ଓଁ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଜାପତ୍ୟେ ନମ୍ବୀରି

ମହାଶୟ,

ଆପଣ ଜାଣି ଖୁସି ହେବେ ଯେ, ମୋର ଜ୍ୟୋତି କାନ୍ୟା ଆୟୁଷ୍ମତୀ ଚାରୁସ୍ଥିତାର କାକଟପୂର  
ନିବାସୀ ପ୍ରମୋଦ ମହାନ୍ତିଙ୍କ ଜ୍ୟୋତି ଆୟୁଷ୍ମାନ ଚିରଞ୍ଜିବାଙ୍କ ସହିତ ଶୁଭପରିଣୟ ଆଷାଢ଼ କୃଷ୍ଣ  
ଚତୁର୍ଦଶୀ ତା ୨୭.୦୭.୨୦୦୫ ରିଖରେ ମଦୀୟ ବାସଭବନରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେବ ।

ଅନୁରୋଧ ଆପଣ ସପରିବାରେ ମୋର ବାସଭବନରେ ପଦାର୍ପଣ କରି ବର କନ୍ୟାକୁ  
ଆଶୀର୍ବାଦ କରିବା ହେବେ । । ଇତି ।

ଆପଣଙ୍କର ଦର୍ଶନାଭିଳାଷୀ  
ସରୋତ ମହାନ୍ତି

-: କାର୍ଯ୍ୟ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ :-

- |                         |   |
|-------------------------|---|
| ତା ୨୫.୦୭.୨୦୦୫ (ରୂପବାର)  | : ମଙ୍ଗଳପାକ  |
| ତା ୨୭.୦୭.୨୦୦୫ (ଶୁରୁବାର) | : ବିବାହ, ପାଣିଗ୍ରହଣ ଓ<br>ପ୍ରାତି ଭୋଜନ ସନ୍ଧ୍ୟା ୭ ଘଟିକା |

## ହାତ୍ତାର୍ଥ

### ଆଡ଼ିଆ ଶବ୍ଦ

ଖୁସିହେବେ

### ହିନ୍ଦୀ ଅର୍ଥ

ଆନଂଦ ହୋଗା, ଖୁଶି ହୋଗା

निवासी	निवासी
मदायू	मेरा
बास-भवन	वास-भवन, निवास
अनुष्टुप् हेतु	संपन्न होगा
सपरिवारे	सपरिवार
पदार्थ करि	उपस्थित हो कर
बर-कन्या	वर-वधु
आशीर्वाद	आशीर्वाद
दर्शनाभिलाषा	दर्शनाभिलाषी

## ପଡ଼ନ୍ତୁ ଓ ବୁଝନ୍ତୁ

### ରଜପର୍ବ

### ରଜପର୍ବ

ଓଡ଼ିଶା ଏପରି ଏକ ରାଜ୍ୟ ଯାହାର ପ୍ରାଣନ ଝାତିର୍ହ୍ୟ ଅଛି ଆଉ ପୁରାତନ ସଂସ୍କରିତ ବି ଅଛି । ସେଠାରେ ବାର ମାସରେ ତେର ଯାତ୍ରା । କେତେ ଓଷା ବ୍ରତ ଆଉ କେତେ ପର୍ବପର୍ବାଣୀ । କେତେ ପୂଜାବିଧା ଆଉ କେତେ ପିଠାପଣା । ସେମିତି ଗୋଟିଏ ପର୍ବ ରଜପର୍ବ । ଦିନେ ନୁହେଁ କିମ୍ବା ଦୁଇଦିନ ନୁହେଁ ଦୀର୍ଘ ନ ଦିନ ଧରି ରାଜ୍ୟର ଏ ମୁଖ୍ୟରୁ ସେମୁଣ୍ଡ ଯାଏଁ ଗାଁ, ଗଣ୍ଠା ଆଉ ପୁରପଲ୍ଲୀ ସବୁଆଡ଼େ ଜାକଜମକରେ ପାଳିତ ହୋଇଥାଏ । ଜାତିଭେଦ ନିର୍ବିଶେଷରେ ଉଚ୍ଚ ନାକ ସମସ୍ତଙ୍କ ଘରେ ଓ ସହରପଲ୍ଲୀରେ ଏହି ପର୍ବ ଚାରିଆଡ଼େ ପାଳିତ କରାଯାଇଥାଏ । ତେଣୁ ଏହା ଓଡ଼ିଶାର ଏକ ମୁଖ୍ୟ ପର୍ବ ।

ଆଷାଢ଼ ମାସରେ ପଡ଼ୁଥିବା ସଂକ୍ରାନ୍ତିକୁ ରଜସଂକ୍ରାନ୍ତି କୁହାଯାଏ । ସଂକ୍ରାନ୍ତିର ପରଦିନକୁ ଭୂମିଦତ୍ତନ କୁହାଯାଏ । ଏହି ଦିନ ଭୂମିକୁ ଖୋଲା ଖୋଲି କରିବା ନିଷେଧ-ଏବଂ ଶେଷ ଦିନ ଅର୍ଥାତ୍ ଚତୁର୍ଥ ଦିନ ସକାଳେ ବସୁମତି ସ୍ଥାନ ଏବଂ ରଜପାଳନ ଶେଷ କରାଯାଇଥାଏ । ଆଷାଢ଼ ମାସରେ ସାଧାରଣତଃ ବର୍ଷାର ଆଗମନ ହେବ । ଶୁଣିଲା ଭୂମିରେ ବର୍ଷାର ପ୍ରଥମ ଅସରା ପଢ଼ିବା ମାତ୍ରେ ମାତିର ଏକ ପ୍ରଜନନ ଶକ୍ତି ଜାଗ୍ରତ ହେବ । ଏହି ସମୟରେ ଧରଣୀ ରାଣୀକୁ ରଜସୁଳା ନାରୀ ସହ ତୁଳନା କରାଯାଇଥାଏ । ସେହିଦିନ କୁମାରୀ କନ୍ୟାମାନେ ଭୂଇଁରେ ଖାଲିପାଦରେ ଚାଲନ୍ତି ନାହିଁ । ସେମାନେ ଗୁଆଖୋଲ, କଦଳୀ ବାହୁଙ୍ଗା ଆଉ ନୂଆ ଚପଲ ପିନ୍ଧନ୍ତି । ତିନିଦିନ ଯାଏ ସ୍ଥାନ କରିବା ନିଷେଧ । ଲୁଣ ଖାଇବା ମଧ୍ୟ ମନା । ସେଇ ନ ଦିନ ପିଠା ଏବଂ ଫଳମୂଳ ଖାଇପିଇ ରହିବେ । ପୁର୍ବରୁ ପୋଡ଼ିପିଠା ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇ ରହିଥାଏ । ରଜପାଇଁ ମୁଢ଼ୀ ଭଜା

होइ रक्षायाइथाए। येतिकि शिआयाए येतिकि बश्चायाए। शाइबा आउ बाश्चिबारे येतिकि आनद, गाइबा आउ खेलिबारे बि येतिकि आनद। नूआलुगा पिन्हि दोलि खेलरे मातिबार पूणि ता' ठारु अधिक आनद।

रज्जर तिनिदिन ओढ़िशार रुअमाने उल्लाबरे यज्ञबाज द्वूअन्ति। मा' माने रुअमानझुं यज्ञ करिबार दायित्र निअन्ति। नूआलुगा पिन्हि बिभिन्न श्लानकु बुलिबाकु याआन्ति। आउ दोलि बान्धि "बनघ्ने ठाकिला गज, बरषके थरे आस्त्रित्र रज" गात गाइ आनदरे खेल खेलिथान्ति। एहि तिनि दिन रक्षाबढ़ा ओ कठाबठा इत्यादि घरकाम नकरि संपूर्ण आनद उपभोग करन्ति।

बर्त्तमान देखायाउन्ति ये, गाँ गहलिरे एहार परम्परा किट्टिटा थिले मध्ये आधुनिक सर्वतार छापरे एहा क्रुमशः पारम्परिकताकु दूराइ बस्तुर्हि। किन्तु रज पर्वरे केते मध्ये ये कथा यिए अंगे निभेउन्ति ये केबल जाणिर्हि।

## शब्दार्थ

ओडिशा शब्द	हिंदी अर्थ
रजपर्व	(रजपर्व) ओडिशा का एक प्रशिद्ध पर्व
प्राग्नन ऐतिह्य	प्राचीन ऐतिह्य
पूरातन संस्कृति	पुरातन संस्कृति
बारमासरे तेरपर्व	बारह महीने में तेरह पर्व (वर्ष में बहुत पर्व)
ओषाब्रुत	उषाव्रत
आउ केते	और कितना
पर्व पर्वाणी	पर्व पर्वाणी
पूजाबिधि	पूजा की नीति
मध्य	आनंद
मजलिय	मजलिस्
ए मूण्डरू ये मूण्ड याएँ	इस् तरफ् से उस् तरफ
जाकजकमरे	बहुत आङ्गबर पूर्ण
पालित होइथाए	पालन होता है
ओढ़िशार मूल्य पर्व	ओडिशा का प्रधान पर्व

ଆଷାଢ଼ମାଘ	ଆଷାଢ଼ କୀ ମହିନା
ପୂର୍ବଦିନ	ପହଲା ଦିନ
ପହିଲି ରଜ	ରଜ ପର୍ଵ କା ପହଲା ଦିନ
ତୁମି ଦବ୍ରନ	ଭୂମି ଖୋଦନା
ଖୋଲାଖୋଳି କରିବା	ଖୋଦନ କରନା
ବସୁମତୀ ସ୍ଥାନ	ବସୁମତୀ ସ୍ନାନ
ଏକ ପ୍ରଦର୍ଶନନ ଶକ୍ତି	ପୈଦା କରନେ କୀ ଶକ୍ତି
ଜାଗ୍ରତ	ଜାଗ୍ରତ
ଧରଣୀ ରାଣୀ	ଧରଣୀ ରାଣୀ
ରଜସ୍ତାଳୀ ସ୍ତ୍ରୀ	ରଜତୀ ସ୍ତ୍ରୀ
ତୁଇଁରେ ଚଲାବୁଲା	ଭୁମିମେ ଚଲନା ବୁଲନା
ସ୍ଥାନ କରିବା ନିଃଶେଷ	ସ୍ନାନ କରନା ମନା ହୈ
ଅଭିକାଷ ପୋଷଣ	ଇଚ୍ଛା ପ୍ରକାଶ
ପଦସ୍ଥରୀ ନ କରିବାପାଇଁ	ପୈର ସର୍ପଶ ନ କରନେ କେ ଲିଏ
ଗୁଆଖୋଳ	ସୁପାରୀ ପେଡ କା ଆଵରଣ
କଦଳୀ ବାସୁଙ୍ଗୀ	କେଲା ପେଡ କା ଆଵରଣ
ପରମରା	ପରମରା
ସଂକ୍ରାନ୍ତି	ସଂକ୍ରାନ୍ତି
ଦାୟିତ୍ବ ନେଇଥାଆନ୍ତି	ଦାଇତ୍ବ ଲେନା
ବୁଲିବାକୁ ଯାଆନ୍ତି	ଧୂମନେ କେ ଲିଏ
ଆଧୁନିକ ସଭ୍ୟତା	ଆଧୁନିକ ସଭ୍ୟତା
ଆଗାମୀ ପିତ୍ରୀ	ଆନେଵାଲା ପୀଢ଼ୀ

### ଅଭ୍ୟାସ

#### ଅଭ୍ୟାସ

- I.   ଅନୁଛ୍ଳେଦର ଆଧାର ଉପରେ ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ପ୍ରଶ୍ନର ଉଭୟ ଦିଅନ୍ତୁ ।  
(ଅନୁଚ୍ଛେଦ କେ ଆଧାର ପର ନୀଚେ ଦିଏ ଗଏ ପ୍ରଶ୍ନଙ୍କ କେ ଉଚ୍ଚର ଦୀଜିଏ ।)
- କାହାର ପ୍ରାଣନ ଏହିରୁପ୍ରାଣ ଆଉ ପୁରାତନ ସଂଘୃତି ବି ଥିଲୁ ?

2. କେତେ ଦିନ ଧରି ରଜପର୍ବ ପାଳିତ ହୋଇଥାଏ ?
  3. କେଉଁଦିନ ବସୁମତୀ ସ୍ନାନ ଏବଂ ରଜପାଳନ ଶେଷ କରାଯାଇଥାଏ ?
  4. କେଉଁମାନଙ୍କ ପାଇଁ ତିନିଦିନ ଯାଏଁ ସ୍ନାନ କରିବା ଏବଂ ଭୂମିରେ ଚଲାବୁଲା କରିବା ପାଇଁ ନିଷେଧ କରାଯାଇଛି ?
  5. ରଜପର୍ବର ମୁଖ୍ୟ ପିଠା କ'ଣ ?
  6. କେଉଁମାନେ କୁମାରୀମାନଙ୍କୁ ସନ୍ଦାରିବା ଦାୟିତ୍ବ ନେଇଥାଏନ୍ତି ?
  7. କୁମାରୀ କନ୍ୟାମାନେ ଭୂମିରେ ପଦସ୍ଵର୍ଗ ନ କରିବା ପାଇଁ କ'ଣ କ'ଣ ପିନ୍ଧିଆ"ନ୍ତି ?
  8. ରଜରେ ଝିଅମାନେ କେଉଁଥିରେ ଖେଳନ୍ତି ?
- II.** ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶତ ଶୁଭିକୁ ଠିକ୍ କ୍ରମରେ ସନ୍ଦାର ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ ।  
(ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶବ୍ଦ ସମ୍ମହ ମେ ଦିଏ ଗଏ ଶବ୍ଦଙ୍କ କୌ ସହି କ୍ରମ ମେ ରଖକର ବାକ୍ୟ ବନାଇଏ ।)
1. ଯାତ୍ରା, ଓଡ଼ିଶାରେ, ବାର, ତେର, ମାସରେ
  2. ଏହି ପର୍ବ, ନିର୍ବିଶେଷରେ ଉଜନାଙ୍କ, ଜାତିଭେଦ, କରାଯାଇଥାଏ, ଓ ସହର ପଲ୍ଲୀରେ,  
ଚାରିଆଡ଼େ ପାଳିତ, ସମସ୍ତଙ୍କ ଘରେ
  3. ଗାଇବା ଆଉ ବାଣିଗାରେ, ବି ସେତିକି ଆନନ୍ଦ, ଖାଇବା, ଯେତିକି ଆନନ୍ଦ, ଆଉ  
ଖେଳିବାରେ
  4. ସଂପୂର୍ଣ୍ଣ, ଉପଭୋଗ କରନ୍ତି, ଏହି ତିନିଦିନ, ଆନନ୍ଦ, ରକ୍ଷାବଢ଼ା ଓ କଟାବଟା, ଉତ୍ୟାଦି  
ଘରକାମ ନକରି
  5. ପାରମରିକତାକୁ, ଏହାର ପରମରା, ଏହା କ୍ରମଶାହ, ଗାଁ ଗହଳିରେ, ବର୍ତ୍ତମାନ  
ଦେଖାଯାଉଛି ଯେ, ଆଧୁନିକ ସଭ୍ୟତାର ଛ୍ରାପରେ, କିନ୍ତୁ ଥିଲେ ମଧ୍ୟ, ହୃଦୟ ବସୁନ୍ତି
- III.** ନିମ୍ନ ଅନୁକୂଳଦକ୍ଷ ହିୟାରେ ଅନୁବାଦ କରନ୍ତୁ ।  
(ହିନ୍ଦୀ ମେ ଅନୁଵାଦ କରିଜିଏ ।)
- ପାରମରିକ ବିବାହରେ ଯୌତୁକ ପ୍ରଥା ଚଳି ଆସୁଛି । ଝିଅ ଘର, ପୁଅଘରର ଦାବି ପୂରଣ  
କରିବାକୁ ଯାହା ଦିଅନ୍ତି ତାହା ଯୌତୁକ । ଆଗେ ଘଣ୍ଟା, ତେନ୍, ସାଇକେଲ୍ ପୁଅ ଘରର ଦାବି ଥିଲା ।  
ଆଉ ଏବେ ମୁଠର, ମଟର ସାଇକେଲ୍, ଟଲିଭିଜନ୍, ଦାବି ହେଲାଣି । ଧାରେ ଧାରେ ଏହା  
ବଢ଼ିବାରେ ଲାଗିଛି । ଦାବି ପୂରଣ କରି ନପାରିଲେ ଶାଶ୍ଵତ ଘରେ ଝିଅ ପ୍ରତି ଅତ୍ୟାଗାର କରାଯାଉଛି ।  
ଶାଶ୍ଵତ, ଶୁଣୁର, ସ୍ବାମୀ ଓ ଦିଅର ମିଶି କେଉଁଠି ଝିଅକୁ ପୋଡ଼ିଲେଣି ତ କେଉଁଠି ଗଳାଚିପି  
ମାରିଲେଣି ।
- ଆଜିକାଲି ଯୌତୁକ ବିରୋଧୀ ଆଇନ ହେଲାଣି । ଏଥିରେ ଯୌତୁକ ଦେଉଥିବା ଓ  
ନେଉଥିବା ଉଭୟ ପକ୍ଷକୁ ଦଶୁଦେବାର ବ୍ୟବସ୍ଥା ଅଛି । କିନ୍ତୁ ଆଇନରେ ଫାଙ୍କ ଥିବାରୁ ଅନେକ

मूकुलि आसूछन्ति । पूषि योदुक दिआ निआ चालित्ति ।

बिउन्न यमाजरे, बिशेष करि आदिवासी यमाजरे कनयासूना देबार बप्पेट्टा अच्छि । एहा पारपरिक योदुकर ओलटा पिठि । बरघर नानाप्रकार उपहार नेइ कनयाघरकु रिथ मानिबाकु याआन्ति । यदि कोण्यि कारणारु रिथघर बाहाघर पाइ राजि नदूअन्ति तेबे पूथ ज्ञोर करि रिथकु उठोळ मध्ये नेइयाइपारे । तापरे येउ बाहाघर दूष 'ठरुलिआ' बाहाघर कुरापाए । योदुक आम यमाजर अद्वितीय । एहा परिबार त उांगे, आउ यमाजरे मध्ये बिशुंजला सृष्टि करे । बद्दु यूवक यूवतीज जाबन नस्तु दूष ।

#### IV. ओडिआरे अनुवाद करनु ।

(ओडिशा में अनुवाद कीजिए ।)

यह देखो, शादी का मंडप सजा हुआ है। आप देखकर खुश होंगे। मंडप के चारों ओर केले के पेड़ लगे हुए हैं। विविध प्रकार के कागज के फूल झूल रहे हैं। मंडप के ऊपर वर-वधु की शादी संपन्न हो रही है। वे दोनों कितने खुश लग रहे हैं! इस पवित्र कार्य में बाधा नहीं डालना। दहेज मत ग्रहण करना और शांति से जीवन बिताना। हमारे देश में दहेज एक असाध्य रोग की तरह फैला हुआ है। इस के कारण बहुत सी लड़कियाँ उचित समय पर विवाह नहीं कर पातीं। देर से विवाह करने के कारण पति-पत्नी के आपसी संबंध भी ठीक-ठीक नहीं बन पाते। आने वाली संतान पर भी पति-पत्नी के कटु संबंध कुप्रभाव डालता है।

#### V. निज परिवाररे पालन करुथिबा कोण्यि एक उष्णव किम्बा राज्य द्वाररे, वा जालय द्वाररे कोण्यि एक उष्णव उपरे गोटिए छोट परिलेउद लेखनु ।

(अपने परिवार या राज्य या देश में मनाएवाले उत्सव के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए ।)

### टिप्पणियाँ

#### I. इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है।

- |    |   |                                  |
|----|---|----------------------------------|
| 1) | 1. आपश मछे क'श सादायप करिबेनि ?<br>आपण मते क'ण <u>साहाज्य करिबेनि</u> ?         | क्या आप मेरी मदद नहीं करेंगे?    |
|    | 2. यकोणेमछे मंद्वरा करिबाकु पढ़िब ।<br>जेकौणसिमते <u>मंजुरी करिबाकु</u> पड़िब । | जैसे भी हो, मंजूरी करना पड़ेगा । |
| 2) | 1. ताकु त बद्दु त शुद्धि लागिब ।<br>ताकु त वहुत <u>खुसि लागिब</u> ।             | उसको बहुत खुशी लगेगी ।           |

- 3) 1. ये काम ये करिनेब। यह काम वह कर लेगी।  
 से काम से करिनेब।
2. पिलालोक केतेबेले ये क'श करिवषेब। बच्चा है, कब क्या कर बैठेगा?  
 पिलालोक केतेबेले जे क'ण करिबसिब।
3. आपश क'श एकुठिथा घबूजाम एका एका  
करिपकेइबे? क्या आप अकेले ही सब काम  
 कर डालेंगे?
- आपण क'ण एकुटिआ सबुकाम एका एका  
करिपकेइबे ?

उपर्युक्त वाक्य (1) और (2) के वाक्यों की रेखांकित क्रियारूप 'शादायप करिब' (साहाज्य करिब), सहायता करना, 'मञ्जुरी करिबा' (मञ्जूरी करिबा), मञ्जूर करना 'शुद्धि लागिब' (खुसी लागिब) 'खुश होना' आदि हिंदी के समान मिश्र क्रियाएँ हैं। (3) के वाक्यों के रेखांकित क्रियारूप 'करिनेब' (करिनेब), 'कर लेना', 'करिवषेब' (करिबसिब), 'कर बैठना' 'करिपकेइबे' (करिपकेइबे) 'कर डालना' क्रियाओं के समान संयुक्त क्रियाएँ हैं।

ओडिआ में मिश्र क्रियाएँ निम्न प्रकारों से बनती हैं। :-

- 1) संज्ञा + क्रिया = मिश्र क्रिया  
 शादायप + करिबा = शादायपकरिबा 'मदद करना'  
 साहाज्य + करिबा = साहाज्य करिबा
- 2) विशेषण + क्रिया = मिश्र क्रिया  
 उल + लागिब = उललागिब अच्छा लगना  
 भल + लागिब = भललागिब  
 खराप + लागिब = खरापलागिब बुरा लगना  
 खराप + लागिब = खरापलागिब

ओडिआ में संयुक्त क्रिया बनाने के लिए मूल क्रिया के साथ '-इ' (-इ) प्रत्यय जोड़कर उसके साथ अलग-अलग सहायक क्रियाएँ जोड़ी जाती हैं। हिंदी की तरह ले, दे जैसी क्रियाएँ जोड़ने से मूल क्रिया के अर्थ में 'अचानकता', 'अवधारण' 'निश्चय', नम्रता 'उग्रता' आदि अर्थों का बोध होता है।

जैसे :- मूल क्रिया + प्रत्यय + सहायक क्रिया  
 -करि + -इ > करि + देबा = करिदेबा कर देना  
 -करि + -इ > करि + देबा = करिदेबा

કરિ + નેબા = કરિનેબા	કર લેના
કરિ + વશીબા = કરિવશીબા	કર બૈઠના
કરિ + બસિબા = કરિબસિબા	
કરિ + પણેછબા = કરિપણેછબા	કર પકાના
કરિ + પકેઝબા = કરિપકેઝબા	
-ખા + -ઇ > ખાઇ + દેબા = ખાઇદેબા	ખા દેના
-ખા + -ઝ > ખાઝ + દેબા = ખાઝદેબા	
ખાઇ + નેબા = ખાઇનેબા	ખા લેના
ખાઇ + વશીબા = ખાઇવશીબા	ખા બૈઠેના
ખાઇ + બસિબા = ખાઇબસિબા	
ખાઇ + પણેછબા = ખાઇપણેછબા	ખા ડાલના
ખાઇ + પકેઝબા = ખાઇપકેઝબા	

ध्यान दीजिए कि ओडिशा की तरह हिंदी में मुख्य क्रिया में कोई प्रत्यय नहीं जोड़ा जाता।

ध्यान दें कि इस पाठ में ओडिआ के संयुक्त वाक्यों का भी परिचय दिया गया है।

## संयुक्त वाक्य

- |  |  |
|--|--|
| <p>1. बाहाघर त केबल गोटिए मास<br/>रहिला आछ मोाते किट्ठु काम<br/>देले <u>नाद्दी</u>।</p> <p>बाहाघर त केबल गोटिए मास रहिला<br/><u>आउ</u> मोते किछि काम देले नाहिं।</p> | <p>शादी के तो केवल एक ही महीना<br/>रह गया है और मुझे कुछ काम<br/>नहीं दिया।</p>      |
| <p>2. क'ण पिलामाने केबल मात्रुरे<br/>रांचि देहरे <u>किम्पा</u> कुकुड़ा किणीबाकु<br/>कद्दिबे ?</p>  | <p>क्या बच्चे केवल मछली से ही<br/>राजी होंगे या मुर्ग खरीदने<br/>केलिए बोलेंगे ?</p> |

पिलामाने क'ण केबल माछरे राजि  
हेबे किंबा कुकुड़ा किणिबाकु कहिबे?

3. थापठा क'श उपर थधिशरङ्गू दरखायू  
करिछुन्हि किम्हा एवे देवाकु दृष्टि। क्या आपने बड़े अफसर को दरखास्त  
आपण क'ण उपर अफिसरंकु दरखास्त  
करिछन्ति किंबा एवे देवाकु हेब।
4. थाइ उच्च रागनाहि॑ आउ लगाप  
भाव नाहि॑। अरे भाई! गुस्सा मत करो और बुरा  
मत समझो।
- आरे भाई रागनाहि॑ आउ खराप  
भाब नाहि॑।

उपर्युक्त वाक्यों से मालूम होता है कि ओडिआ भाषा में संयुक्त वाक्यों का निर्माण केलिए समुच्चय बोधक अव्यय 'आउ' (आउ) 'और' तथा वैकल्पिक अव्यय 'किम्हा' (किंबा), 'या' (या) का प्रयोग होता है।